PCS मंत्र

पीसीएस/यूपीएससी परीक्षा-उन्मुख समसामयिकी

ग्रीनलैंड रक्षा समझौता 2026: आर्कटिक का नया दांव

समाचार-संदर्भ: 22 सितंबर 2026

प्रकाशन: 31 अक्टूबर 2026

मुख्य परीक्षा: सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र-II — अंतरराष्ट्रीय समझौते और संस्थाएँ

प्रिलिम्स: अंतरराष्ट्रीय सम्बन्ध, आर्कटिक क्षेत्र



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

खबरों में क्यों

22 सितंबर 2026 को न्यूयॉर्क में अमेरिका, डेनमार्क और ग्रीनलैंड की सरकारों ने वर्ष 1951 के ग्रीनलैंड रक्षा-समझौते में संशोधन और उसे सम्पूरक (पूरक) करने वाला एक त्रिपक्षीय समझौता किया। आर्कटिक क्षेत्र में बढ़ती भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के बीच आया यह समझौता ग्रीनलैंड की भूमिका, डेनमार्क की संप्रभुता और अमेरिका की रक्षा-रणनीति के नये संतुलन को दर्शाता है।

1951 का ग्रीनलैंड रक्षा समझौता क्या है

27 अप्रैल 1951 का "ग्रीनलैंड की रक्षा" समझौता उत्तर अटलांटिक संधि (नाटो) के अंतर्गत अमेरिका और डेनमार्क के बीच हुआ था, जिसके तहत अमेरिका को ग्रीनलैंड में रक्षा-व्यवस्थाएँ स्थापित करने का ढाँचा मिला। बाद में 1991 का सॉन्ड्रेस्ट्रोम सुविधा संबंधी समझौता-ज्ञापन (MoU), 2004 का इगालिकु समझौता और वर्ष 2020 का राजनयिक-नोट इसी शृंखला में जुड़े। नया समझौता इन सबके साथ 1951 के मूल समझौते में संशोधन और पूरक है।

PCSMANTRA.COM

नए समझौते के प्रमुख बिंदु

त्रिपक्षीय स्वरूप: समझौता अमेरिका, डेनमार्क और ग्रीनलैंड की सरकारों के बीच हुआ है; प्रस्तावना में डेनमार्क-राज्य की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की पुनर्पुष्टि की गई है।

स्व-निर्णय का अधिकार: समझौता मानता है कि ग्रीनलैंड के लोग अंतरराष्ट्रीय कानून के अंतर्गत स्व-निर्णय के अधिकार वाले लोग हैं; ग्रीनलैंड की स्वतंत्रता-प्रक्रिया ग्रीनलैंड स्व-शासन अधिनियम (अधिनियम संख्या 473, 12 जून 2009) के अनुच्छेद 21 में निर्धारित है।

रक्षा-क्षेत्र (Defense Areas): "Defense Area" वह क्षेत्र है जहाँ अमेरिका रक्षा-व्यवस्थाओं के अनुरूप सैन्य ठिकाना स्थापित या संचालित करता है। नार्सार्सुआक और मेस्टर्सविग में अतिरिक्त Defense Area स्थापित करने का प्रावधान है, और पारस्परिक सहमति से आगे भी क्षेत्र जोड़े जा सकते हैं। लक्ष्य है कि इन क्षेत्रों से ग्रीनलैंड के लोगों को "वास्तविक, ठोस और सार्थक लाभ" मिले।

गोल्डन डोम: समझौते में उत्तर अटलांटिक संधि-क्षेत्र, ग्रीनलैंड और अमेरिकी महाद्वीप की रक्षा के लिए "गोल्डन डोम" रक्षा-तंत्र की स्थापना का स्पष्ट उल्लेख है।

नाटो और आर्कटिक: पक्षकार आर्कटिक में नाटो की मजबूत सहभागिता — योजना, उपस्थिति, अभ्यास और संयुक्त खुफिया-संग्रह — के समर्थन पर सहमत हैं।

अन्य सहयोग: नूक में अमेरिकी कॉन्सुलेट के दोबारा खुलने का स्वागत, वैज्ञानिक-शैक्षणिक सहयोग और खनिज सहयोग का उल्लेख; ग्रीनलैंड के पर्यावरण-संरक्षण (1991 MoU और 2004 घोषणा) की पुनर्पुष्टि।

परीक्षा दृष्टिकोण

भू-राजनीतिक पृष्ठभूमि: समझौता स्वयं आर्कटिक और उच्च-उत्तर क्षेत्र में प्रतिपक्षियों की बढ़ती सैन्य गतिविधि और रणनीतिक रुचि को सुरक्षा-चुनौती मानता है; ग्रीनलैंड की भौगोलिक स्थिति इसे रणनीतिक रूप से केंद्रीय बनाती है।

ग्रीनलैंड का दर्जा: ग्रीनलैंड डेनमार्क का एक स्वशासी क्षेत्र है; यह समझौता ग्रीनलैंड के स्वायत्त निकायों की बढ़ती भूमिका और डेनमार्क-ग्रीनलैंड-अमेरिका त्रिकोण के नये संतुलन को दर्शाता है।

भारत से जुड़ाव: भारत की आर्कटिक नीति (2022) और अंतरराष्ट्रीय सम्बन्धों की समझ में यह समझौता आर्कटिक सुरक्षा-व्यवस्था के बदलते स्वरूप का उदाहरण है।

मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न. "आर्कटिक क्षेत्र में बढ़ती भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के संदर्भ में 2026 का ग्रीनलैंड रक्षा-समझौता क्षेत्रीय सुरक्षा वास्तुकला के बदलते स्वरूप का संकेत है।" डेनमार्क-ग्रीनलैंड-अमेरिका त्रिकोण के परिप्रेक्ष्य में इस कथन का मूल्यांकन कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में लिखिए। 15 अंक)

भूमिका में

आर्कटिक में जलवायु-परिवर्तन से खुलते जलमार्गों और संसाधन-प्रतिस्पर्धा का संक्षिप्त परिचय दें; 22 सितंबर 2026 के त्रिपक्षीय समझौते का उल्लेख करें, जो 1951 के ग्रीनलैंड रक्षा-समझौते में संशोधन और पूरक है।

PCSMANTRA.COM

मुख्य भाग में

समझौते की प्रमुख विशेषताएँ बताएँ — डेनमार्क की संप्रभुता की पुनर्पुष्टि, ग्रीनलैंड के लोगों के स्व-निर्णय के अधिकार की मान्यता, नये Defense Areas (नार्सार्सुआक, मेस्टर्सविग), गोल्डन डोम रक्षा-तंत्र और आर्कटिक में नाटो की मजबूत भूमिका। डेनमार्क-ग्रीनलैंड-अमेरिका त्रिकोण का विश्लेषण करें: ग्रीनलैंड के स्वशासी दर्जे की बढ़ती भूमिका, डेनमार्क की संप्रभुता-संवेदनशीलता, अमेरिका की मिसाइल-रक्षा और आर्कटिक-उपस्थिति की रणनीति। प्रतिपक्षियों की बढ़ती सैन्य गतिविधि और उनके प्रभाव-विस्तार के प्रयासों (जिन्हें समझौता सुरक्षा-चुनौती मानता है) की पृष्ठभूमि में समझौते के निहितार्थ रखें।

निष्कर्ष में

यह समझौता छोटे क्षेत्रों की बढ़ती वार्ता-भूमिका और आर्कटिक में संस्थागत सुरक्षा-व्यवस्था की ओर संकेत है; भारत की आर्कटिक नीति (2022) के परिप्रेक्ष्य में इसकी प्रासंगिकता पर समापन करें।

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1. 22 सितंबर 2026 को हस्ताक्षरित ग्रीनलैंड रक्षा-समझौते के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन-I: यह समझौता 27 अप्रैल 1951 के ग्रीनलैंड रक्षा-समझौते में संशोधन और उसका सम्पूरक है।

कथन-II: समझौते में डेनमार्क-राज्य की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की पुनर्पुष्टि की गई है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल I

(b) केवल II

(c) I और II दोनों

(d) न तो I, न ही II

उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (c)। नया समझौता अमेरिका, डेनमार्क और ग्रीनलैंड के बीच 1951 के समझौते में संशोधन और सम्पूरक है, इसलिए कथन-I सही है। इसकी प्रस्तावना में डेनमार्क-राज्य की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की पुनर्पुष्टि की गई है, इसलिए कथन-II भी सही है।

प्रश्न 2. 2026 के ग्रीनलैंड रक्षा-समझौते के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. समझौते में "गोल्डन डोम" रक्षा-तंत्र की स्थापना का उल्लेख है।

2. समझौता ग्रीनलैंड के लोगों को अंतरराष्ट्रीय कानून में स्व-निर्णय के अधिकार वाले लोग मानता है।

3. समझौता ग्रीनलैंड को नाटो से अलग एक नये सैन्य गठबंधन का सदस्य बनाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

PCSMANTRA.COM

उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (a)। समझौते में गोल्डन डोम रक्षा-तंत्र की स्थापना और ग्रीनलैंड के लोगों के स्व-निर्णय के अधिकार दोनों का स्पष्ट उल्लेख है, इसलिए कथन 1 और 2 सही हैं। समझौता उत्तर अटलांटिक संधि के अंतर्गत 1951 के ढाँचे को ही मजबूत करता है, कोई नया गठबंधन नहीं बनाता, इसलिए कथन 3 गलत है।

स्रोत:

समझौता-पाठ: अमेरिका-डेनमार्क-ग्रीनलैंड समझौता, 1951 करार में संशोधन (22 सितंबर 2026)

द हिंदू ऑप-एड: A security deal, but not the end of the Arctic contest (29-30 अक्टूबर 2026)

PCSMANTRA.COM